16.5 X 11.25 inches

PROFENOFOS 40% + CYPERMETHRIN 4% EC

POLYTRIN® C 44 EC

(A Broad Spectrum Insecticide)

POLYTRIN® C 44 EC is a broad spectrum insecticide having contact and stomach action against bollworm complex in cotton. It contains 400 g Profenofos (0-(4-bromo-2-chloro-phenyl)-0-ethyl S-n-propyl-phosphorothioate) and 40 g Cypermethrin (RS)-alpha-cyano-3-phenoxybenzyl (1RS) - cis-trans-3-(2,2-dichlorovinyl)-2,2-dimethycyclopropane carboxylate per litre of emulsifiable (EC) formulation.

Application & Recommendations for use POLYTRIN® C 44 EC is recommended for the control of bollworm complex in cotton.

Crop	Common name of the pest	Dosage / ha			Waiting period from last spray to harvest
		ai gm	Formula tion(ml)	Diluted in water (l)	
Cotton	Bollworm complex	440-660	1000-1500	500-1000	14 days

Compatibility : POLYTRIN® C 44 EC is compatible with other commonly used fungicides, pesticides, herbicides and fertilizers in the cotton crop. It is always advised to locally check compatibility.

Toxicity : The acute oral LD 50 to rat of **POLYTRIN® C 44 EC** is 883 mg/kg. The acute dermal LD 50 to rat > 4000 mg/kg. It is slight to moderately irritant to the eyes and skin of rabbits.

Directions for use : Measure out required quantity of the product and mix it well with a small quantity of water. Add the remaining quantity of water as specified with through agitation for high volume of application thorough knapsack sprayers or high volume sprayers.

Plant Protection Equipments : Knapsack sprayer, Foot sprayer, Compression knapsack sprayer, Battery sprayer, Battery and power operated sprayer.

Storage : 1. The packages containing the insecticides shall be stored in original containers in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles particularly articles of food or shall be kept in separate almirahs under lock and key. 2. The rooms or premises meant for storing the insecticide shall be well built, cool, dry, well lit, ventilated and of sufficient dimension to avoid contamination with vapour.

Precaution : Do not use cooking utensils for preparing sprays. Use stick for stirring the spray solution. Wear hand gloves to avoid contact with the skin. Also avoid inhalation and contact with eyes. Wear protective clothing, mask, goggles, boots, while spraying and do not expose yourself to spray drift. Do not blow nozzles with mouth. Do not eat, drink or smoke while handling or applying the product. Do not store unused spray solution.

Clean sprayers, buckets and other utensils with water daily after use.

Wash hands with soap and plenty of water and change clothes after the work is over. Also wash the contaminated clothes. Do not contaminate streams, ponds, waterways etc by discharging leftover spray materials into them or by cleaning sprayers, contaminated buckets etc. in them.

Do not spray when bees are active. When used at recommended dosages, no adverse effect on wild life is expected. In case of any sign of poisoning, immediately consult the doctor.

Disposal of containers : 1. Packages or surplus materials and washings from the machines and containers should be disposed off in a safe manner as to prevent environmental pollution. 2. The used packages shall not be left outside to prevent their reuse. 3. Packages shall be broken and buried away from habitation.

Poisoning Symptoms : MILD TO MODERATELY SYMPTOMS: Headache, feeling of weakness, sweating, indisposition, vomiting, nervousness, difficulty in swallowing.

SEVERE POISONING: Profuse sweating, eye pains, pinpoint pupils (miosis), muscular twitching, speech disorders (slurred speech), hypersalivation, respiratory distress, colic, heart complaints, convulsions, unconsciousness.

First Aid : Remove the affected person from the danger zone to a well ventilated room or to fresh air and protect from undercooling. IN CASE OF SUSPECTED POISONING: Immediately call a physician. IN CASE OF SKIN CONTACT: Remove contaminated clothing and thoroughly wash the affected parts of the body with soap and water. IN CASE OF EYE CONTACT: Rinse eyes with clean water for several minutes and immediately call a physician. IN CASE OF INGESTION: If medical assistance is not readily available and poisoning symptoms are severe, vomiting should be induced by tickling the finger on the back of the patients throat. Next repeatedly administer medicinal charcoal in a large quantity of water. NOTE: Never give anything by mouth to an unconscious person.

Antidote : Atropine in addition oxime preparations such as Toxogonin under medical supervision. Inject 2-4 mg atropine sulphate (for children 0.5 to 2 mg according to age) i.v. or i.m. every 5 to 10 minutes until signs of atropinisation occur. The patient must remain atropinised for a sufficient length of time (24 to 48 hours) to prevent subsequent poisoning due to delayed resorption.

Manufactured by: Syngenta India Ltd.,
Amar Paradigm, S. No.110/11/3, Baner Road, Pune – 411 045.

Factory : Syngenta India Ltd., Unit II, Plot No. B-155/1, GIDC Estate, Ankleshwar - 393 002, District Bharuch.

प्रोफेनोफॉस ४०% + सायपरमेथ्रीन ४% ई.सी.

पॉलिट्रीन सी ४४ ईसी

(बहुवर्णिय किटनाशक)

पॉलिट्रीन सी ४४ ईसी एक बहुवर्णिय किटनाशक है जिसका प्रभाव कपास में ड़ोंडे की सूडियॉ किटक इनपर संपर्क आनेपर या पेट में जानेपर होता है। इसके धुलनशील कॉन्सटेट (ई.सी.) रचना के प्रत्येक लिटर में ४०० ग्राम प्रोफेनोफॉस (ओ–(४–ब्रोमो–२–क्लोरो–फिनाइल) ओ–इथाइल–एस–एन–प्रोपिल फॉस्फोरोथायओएट) और ४० ग्राम सायपरमेथ्रिन–(आर एस)– अल्फा–सायनो ३–फेनोक्सीबेंझील (१ आर एस)–सीस–ट्रान्स–३–(२,२–डायक्लोरोवेनिल)–२,२–डायमेथाइल सायक्लो प्रोपेन कारबोक्सीलेट सम्मिलित है।

उपयोग के लिए शिफारिशें : कपास में आनेवाले सुँडियों के नियंत्रण के लिए **पॉलिट्रीन सी ४४ ई.सी** कि शिफारिश की गयी है।

फसल	किटकों के सामान्य नाम	मात्रा (हेक्टर)			अंतिम स्प्रे तथा फसल काटने के बीच प्रतिक्षा का समय
		सक्रिय तत्व ग्राम	रचना (मि.ली.)	कितने पानी में मिलाइए (लिटर)	
कपास	डोंडे की सुंडिया	४४०–६६०	१०००–१५००	५००–१०००	१४ दिन

अनुरूपता: पॉलिट्रीन सी ४४ ई.सी को आम तौरपर इस्तेमाल होनेवाले अन्य फफुंदनाशकों, कीटनाशकों, और खादो के साथ मिलाया जा सकता है और कपास फसलों के लिए प्रयोग में लाया जा सकता है। सलाह दि जाती है कि अनुरुपता की स्थानीय जॉच कर लें।

विषैलापन: चूहों के लिए तीव्र मौखिक एल डी५० **पॉलिट्रीन सी ४४ ई.सी** की ८८३ मि.ग्रा./कि.ग्रा. है। तीव्र त्वचा एल डि५० चूहों के लिए > ४००० मि.ग्रा./कि.ग्रा. शारीरिक वजन से जादा होता है। इसे खरगोशों की त्वचा और आँखों के लिए हल्की तथा साधारण परेशानी हो सकती है।

प्रयोग के लिए निर्देश: उत्पाद की वाछित मात्रा लिजिए और उसे थोडे से पानी के साथ अच्छी तरह से मिलाइए। नैपसेक स्प्रेअर तथा बडी मात्रा वाले स्प्रेयर में आदि से बडी मात्रा मे इस्तेमाल करने के लिए निर्दिष्ट मात्रा का बाकी पानी भी अच्छी तरह से हिल–हिलाकर मिला लीजिए।

फसलोंके सुरक्षात्मक यंत्र : नेपसेक स्प्रेयर, फुट स्प्रेयर, कमप्रेशन नेपसेक स्प्रेयर, बैटरी स्प्रेयर, बैटरी और पावर स्प्रेयर।

संग्रहण: १. कीटनाशक के डिब्बों को अन्य सामग्री विशेषकर खाने के सामान के संग्रहण के लिए प्रयोग लिए जा रहे कमरों या इमारतों से दूर अलग कमरों या इमारतों में अथवा अलग से तालाबन्द अलमारियों में कीटनाशक की प्रकृति और मात्रा के आधार पर रखना चाहिए। २. कीटनाशको के संग्रहण हेतु उपयोग किये जाने वाले कमरे या इमारते मजबूत, सूखी भली–भाती प्रकाशित तथा हवादार होनी चाहिए तथा उनमें पर्याप्त स्थान होना चाहिए ताकी बाष्प से प्रदूषण न हो सके।

सावधानियाँ: स्प्रे तयार करने के लिए खाना पकाने के बर्तनों का इस्तेमाल मत किजीए। स्प्रे के घोल को हिलाने के लिए लकडी का प्रयोग करें। त्वचासे स्पर्श से बचाने के लिए दस्ताने पहने। सांस के साथ अंदर लेने और आंखों से सम्पर्क से भी बचे। स्प्रे करते समय सुरक्षात्मक कपड़ें, मास्क, चश्मा, बूटस आदी पहने या स्वय को स्प्रे की पुहार के सामने न लाए। नोजल्स में मुंह से फुंक न मारे। उत्पाद को उठाते, रखते या प्रयोग करते समय खाना, पीना या धुम्रपान नही करना चाहिए। इस्तेमाल न किए गये स्प्रे घोल का संग्रहण मत लीजीए। प्रतिदिन प्रयोग के बाद स्प्रेयर, बाल्टियों तथा अन्य बर्तनों को पानी से धोएं। कार्य समाप्त होने के बाद हाथों को साबुन और ढेर सारे पानी से धोइए। बची हुई स्प्रे सामग्री को झरनों, तालाबों, नहरों आदी में बहाकर या स्प्रेयर्स, दूषित बाल्टियों आदी को उनमें धोकर उनको दूषित मत कीजिए। यदि मधुमक्खियों सक्रिय हो तो स्प्रे मत कीजीए। सिफारिश की गई मात्रा में प्रयोग किये जाने पर वन्य जीवनपर प्रतिकूल प्रभाव की संभावना नही है। यदि विष चढने का कोई भी चिन्ह दिखाई दे तो तुरन्त डॉक्टर से सम्पर्क करें।

डिब्बों का निपटारा: १. पर्यावरण का प्रदूषण बचाने के लिए डिब्बे, बचा हुआ घोल/पदार्थ मशीनों की घोवन और खाली डिब्बों का निपटारा सुरक्षित स्थान पर करें। २. उपयोग किए गए डिब्बे/पैकेजों को वैसे ही बाहर नही छोड देना चाहिए। इस प्रकार उनका दुबारा उपयोग बचाया जा सकता है। ३. पैकेजो/डिब्बों को तोड़–मोड़कर आबादी से दूर जमीन में गाड़ देना चाहिए।

विषबाधा के लक्षण: सौम्य तथा साधारण लक्षण: सिरदर्द, कमजोरता, पसीना आना, ठिक नही लगना, उल्टी, नैराशय, गिलने में तकलीफ इत्यादी। **तिव्र लक्षण:** जादा पसीना छुटना, आँखों में जलन, आँखों की पुतलियों का संकोचन, स्नायू की हलचल, बोलने में तकलीफ, लार टपकना, श्वास लेने में कठिनाइयाँ, हृदय की तकलीफे, मिरगी आना, मुर्छा इत्यादि।

प्रथमोपचार: मरीज को खतरे से दूर हवादार जगह में या खूली हवामें ले जाए और उसे थंडा पडने से बचाइए। अगर जहरीलापन की संभावना हो तो तुरन्त डॉक्टर को बुलवाइए। अगर त्वचा पर लग गया हो तो तुरन्त मैलै कपड़े निकाल दिजिए और अंग को भरपूर पानी और साबून से धो डालीऐ। अगर आंखों में गया हो तो अच्छे पानी से ऑखों बार बार धो डालिए। और अगर जादा जलन हो तो डाक्टर को बुलाये। मुंह से अंदर जाने पर और अगर डाक्टरी सहायता जल्दी मिलने की संभावना न हो और जहरीलेपन के लक्षण अधिक हो तो मुंह में उंगली डालकर उल्टी करवाइए। अधिकतम पानी में औषधिय चारकोल बार बार देते रहिए। सूचना: कभी भी मुर्छित मरीज को मुंह से कुछ भी नही देना चाहिए।

विषनाशक : एटोपिन। इसके अलावा ऑक्साइम कि दवा जैसे की टॉक्सागोनिन डाक्टरी सलाह अनुसार दिजीए। अॅट्रोपिन सल्फेट २ से ४ मि.ग्रा (बच्चों के लिए ०.५ से २ मि.ग्रा उम्रके अनुसार) ५–१० मिनट के अंतर नस में इंजेक्शन द्वारा या स्नायू में इंजेक्शन द्वारा देते रहिए जब तक अॅट्रोपिन का प्रभाव दिखाई दे। मरीज को अॅट्रोपिन देते रहिए (२४ से ४८ घंटो तक) ताकी श्वसन द्वारा वापस जहरीलापन न हो।

निर्माता : **सिन्जेन्टा इंडिया लिमिटेड,**
अमर पॅराडीग्म, एस नं. ११०/११/३, बानेर रोड, पुणे–४११ ०४५.

फैक्टरी : **सिन्जेन्टा इंडिया लिमिटेड**, यूनिट ll, प्लॉट नं. बी–१५५/१, जी.आई.डी.सी. इस्टेट, अंकलेश्वर – ३९३ ००२, जिला भरूच.

प्रोफेनोफॉस ४०% + सायपरमेथ्रीन ४% ईसी

पॉलिट्रिन सी ४४ ईसी

(विस्तृत परिणामकारक कीटकनाशक)

पॉलिट्रिन सी ४४ ईसी हे एक बहु परिणामी कीटकनाशक आहे. हे कीटकनाशक स्पर्श जहरविष म्हणून क्रियाशील आहे. कपाशीवरील अळ्यांवर, हे कीटकनाशक प्रभावी आहे या कीटकनाशकाच्या प्रति लीटर – ४०० ग्रॅम (प्रोफेनोफॉस) (ओ–(४ ब्रीमो–२ क्लोरो फिनाईल) – ओ – इथाइल एस्. एन्. प्रोपाईल – फ्रॉस्फोरोथायओएट) अधिक ४० ग्रॅम सायपरमेथ्रीन (आरअेस) – अलफा–सायनो ३–फिनॉक्झिबेनझाईल (१ आरएस) – सीआय–एस–ट्रान्स–३–(२, २–डायक्लोवायनाईल) –२–२–डायनिथाईल सायक्लो प्रोपेन कारबॉक्झीलेट ही दोन कीटकनाशक तत्वे एकत्र केलेली आहेत.

पॉलिट्रिन सी ४४ ईसी वापर करण्यासंबंधी शिफारस :

कपाशीवरील बोंड अळ्यांच्या नियंत्रणासाठी **पॉलिट्रिन सी ४४ इसी** त्या कीटकनाशकाच्या वापराबाबत खालीलप्रमाणे शिफारस करण्यात येते.

पिकांचे नाव	कीटकांचे नाव	प्रमाण प्रती हेक्टर			शेवटची फवारणी व काढणी या दरम्यान जाऊ देण्याचा कालावधी
		सक्रिय घटक ग्राम	प्रारुपाचे प्रमाण मिली	पाण्याचे फवारा व लिटर	
कपाशी	कपाशीवरील बोंड अळ्या	४४० ते ६६०	१००० ते १५०० मिली	५००ते १००० लिटर	१४ दिवस

अनुरुपता : पॉलिट्रिन सी 44 ईसी हे कीटकनाशक कपाशी पीक संरक्षणासाठी वापरली जाणारी इतर किटकनाशके व बुरशी नाशके आणि खते यांचे बरोबर मिसळून वापरता येते. काळजी म्हणून स्थानिकरीत्या लहानशा क्षेत्रावर अशा मिश्रणांचा वापर करुन खात्री करुन घ्यावी.

विषांची जहालता : मारक तीव्र जहालता प्रमाण (एलडी–५० उंदराचे बाबतीत मुखाव्दारे प्राश्न केल्यास प्रति किलो शरिराचे वजनामागे ८८३ मि. ग्रॅ) कातडीतून स्पर्शाव्दारे बाधा झाल्यास हेच प्रमाण > ४००० मि.ग्रॅ. ह्या कीटकनाशकामुळे सशाचे डोळे व कातडी चुरचुरण्याची शक्यता आहे.

वापरासंबंधी सुचना : शिफारशीप्रमाणे आवश्य तेवढे कीटकनाशकाचे प्रमाण मोजून घ्यावे आणि थोड्या प्रमाणात पाणी घेऊन त्यात मिसळावे मिश्रण चांगले ढवळून एकरुप करावे आणि ठरलेले प्रमाणित पाणी मिसळून फवारणींसाठी द्रावण तयार करावे. आणि सूक्ष्म फवारणीसाठी किंवा सर्वसाधारण फवारणीसाठी पूर्व पूर्ण पाण्याचे प्रमाण ठरवून त्याप्रमाणे द्रावण स्प्रे पंपाने फवारवे. फवारणीसाठी हाताने चालावावयाचा नॅपसॅक फवारणी यंत्र किंवा जादा पाण्याचे फवारणी यंत्र वापरावे. द्रावण मिसळताना उघडया हाताचा वापर करुन नये काडीचा वापर करावा.

पिकांची संरक्षण करणारी यंत्र : नॅपसॅक फवारणी यंत्र, पायाने फवारणी यंत्र, कॉम्प्रेशन फवारणी यंत्र, बॅटरीयुक्त फवारणी यंत्र, बॅंटरी व विजेवर चालणारी यंत्र.

साठवण : १) कीटकनाशक असलेले मूळ स्वरुपातील बंद खोके हे अन्य वस्तू विशेषत: खाद्य पदार्थ साठवलेल्या ठिकाणापासून वेगळ्या खोल्यांत अथवा ठिकाणी ठेवले पाहिजे. किंवा कीटकनाशक स्वतंत्र कपाटात कडी कुलपात बंद करुन ठेवावे. २) कीटकनाशकाची साठवण करणाऱ्या खोल्या अथवा जागा पक्क्या बांधणीच्या, कोरड्या, भरपूर उजेड व खेळती हवा असणाऱ्या आणि योग्य आकाराच्या असाव्यात. म्हणजे वाफेव्दारे प्रदूषण होणार नाही.

वापरणाऱ्यांनी घ्यावयाची दक्षता : द्रावण तयार करण्याकरीता स्वयंपाकाची भांडी वापरु नयेत. द्रावण तयार करताना ढवळण्या करिता काठीचा वापर करावा. त्वचेशी संपर्क टाळण्यासाठी हातमोजे घालावे. औषध हुंगणे किंवा डोळ्याशी त्याचा संपर्क येणे टाळावे. फवारणी करताना संरक्षक पोषाख, रबरी हातमोजे, बूट, तोंडावर मुखवटा अथवा धूळ प्रतिबंधक आवरण वापरावे जेणे करुन कीटकनाशकाचा शरीराशी प्रत्यक्ष संबंध येणार नाही. नोझल तोंडाने फुंकू नका. कीटकनाशक हाताळतांना किंवा फवारणी करताना पान, तंबाखू खाऊ नका. फवारणीसाठी तयार केलेल्या द्रावणाचा साठा करुन ठेवू नका. फवारणी नंतर स्प्रे पंप, बादली व इतर फवारणी साहित्य पाण्याने स्वच्छ धुवून ठेवा. फवारणी नंतर हातपाय साबणाने स्वच्छ धुवा. तसेच फवारणीच्या वेळेस वापरलेले कपडे स्वच्छ धुवावे. वाहत्या पाण्यात किंवा वापरात येणाऱ्या पाण्याच्या साठ्यात फवारणीनंतरची साधने धुवू नका अथवा अशा पाण्यात उरलेले द्रावण मिसळू देऊ नका. शेतात मधमाशा सक्रिय असताना फवारणी टाळावी. निर्धारित केलेल्या प्रमाणानुसार वापर केल्यास जनावरांना हानी होण्याची शक्यता नाही. विषबाधेची लक्षणे दिसताच डॉक्टरांशी संपर्क साधावा.

रिकाम्या डब्यांची विल्हेवाट : फवारणी नंतर मागे राहिलेली वेष्टने आणि फवारणी यंत्र साफ केलेले पाणी यांची विल्हेवाट सुरक्षित ठिकाणी करावी. जेणेकरुन परिसरात प्रदूषण होणार नाही. कीटकनाशकाचे रिकामे डबे तसेच फेकून देऊ नये. त्यांचा पुनर्उपयोग होऊ देऊ नये. असे डबे तोडून मोडून सुरक्षित स्थळी गाडून टाकावेत.

विषबाधेची लक्षणे : सौम्य ते मध्यम लक्षणे : डोकेदुखी, थकवा, घाम फुटणे, अस्वस्थता, घबराट, उलटी होणे, गिळण्यास अडचण.

तीव्र विषबाधेची लक्षणे : खूप प्रमाणांत घाम फुटणे, डोळे दुखणे, थरथरणे, लाळ सुटणे, बोलणे जड होणे, श्वसनास अवघड होणे, पोट दुखणे (कळा) हृदयाच्या तक्रारी, आकडे येणे शुध्द हरपणे.

प्रथमोपचार : विषबाधा झालेल्या व्यक्तीस विषबाधा झालेल्या जागेपासून दूर मोकळ्या हवेत न्या व शारीरिक तापमान कमी होऊ देऊ नका. ताबडतोब डॉक्टरांना बोलवा. कीटकनाशकांचा त्वचेशी संपर्क झाला असल्यास दूषित कपडे काढून शरीराचा भाग साबण लावून स्वच्छ पाण्याने धुवा. औषधे डोळ्यात गेल्यास ताबडतोब स्वच्छ पाण्याने डोळे वारंवार धुवा व डॉक्टरांचा सल्ला घ्या. औषधे पोटात गेल्यास वेळेवर डॉक्टर उपलब्ध नसल्यास घशात बोटे घालून वारंवार उलटी करवावी व पोट साफ करावे. नंतर मेडिकल चारकोल मिसळलेले भरपूर पाणी पेशंटला पुन्हा पिण्यास द्यावे.

सूचना : बेशूध्द व्यक्तीला तोंडावाटे काही देऊ नये.

उतारा : रोग्यास ताबडतोब अॅट्रोपिन द्या आणि विषबाधेची लक्षणे दिसत राहतील तो पर्यंत दर पाच ते दहा मिनीटांच्या अंतराने ते २ ते ४ मि.ग्रा. अट्रोपिन सल्फेटचा डोस नसव्दारा (मुलांसाठी ०.५ ते २ मि. ग्रा. वयानुसार) वरचेवर देत राहून रोग्याची संपूर्ण अॅट्रोपिनमय अवस्था कायम राखा. विषबाधा झालेल्या व्यक्तीस अॅट्रोपिनमय अवस्थेत जास्तीत जास्त वेळ राहू द्या (२४ ते ४८ तास), जेणे करुन विलंबाने होणारी विषबाधा टाळता येईल.

निर्माते : सिंजेंटा इंडिया लिमिटेड,
अमर पॅराडीम्म, एस नं. ११०/११/३, बाणेर रोड, पुणे–४११ ०४५.

फॅक्टरी : सिंजेंटा इंडिया लिमिटेड, यूनिट ll, प्लॉट नं. बी–१५५/१, जी.आई.डी.सी. इस्टेट, अंकलेश्वर – ३९३ ००२, जिल्हा भरूच.

પ્રોફેનોફોસ ૪૦% + સાયપરમેથ્રીન ૪% ઈ.સી.

પૉલિટ્રિન સી ૪૪ ઇસી

(બહોળી અસર ધરાવતું જંતુનાશક)

પૉલિટ્રિન સી ૪૪ ઈસી, કપાસની જીંડવાની ઈયળો ઉપર, સ્પર્શીય અને પેટના ઝેર તરીકે અસર કરનારું, બહોળી અસર ધરાવતું જંતુનાશક છે. તે ૪૦૦ ગ્રામ પ્રોફેનોફોસ (ઓ-(૪- બ્રોમો - ૨ - કલોરો - ફીનાઈલ) - ૦ - ઈથાઈલ, એસ - એન - પ્રોપાઇલ - ફોસ્ફોરોથીઓએટ) અને ૪૦ ગ્રામ સાયપરમેથ્રીન (આરએસ) - આલ્ફા - સાયનો - ૩ -ફીનોક્ષી બેન્ઝાઈલ (૧આરએસ) - સીસ - ટ્રાન્સ - ૩ (૨, ૨ - ડાયકલોરોવીનાઈલ - ૨ - ૨ -ડાયમીથાઈલ સાયકલોપ્રોપેન - કાર્બોક્સીલેટ, પ્રતિ લીટર ઈમલ્સીફાયેબલ ફોર્મ્યુલેશન માં ધરાવે છે.

વપરાશ માટે ભલામણ : પૉલિટ્રિન સી ૪૪ ઈસી ની કપાસ ની જીંડવાની ઈયળો ના નિયંત્રણ માટે ભલામણ કરવામાં આપે છે.

પાક	જીવાતનો પ્રકાર	ભલામણ/હેક્ટરદીઠ			છેલ્લા છાંટણ અને ભણણી વચ્ચે રાખવાનો સમય ગાળો
		ગ્રામ/સક્રિય તત્વ	ફોર્મ્યુલેશન એમ.એલ	પાણીની માત્રા (લીટર)	
કપાસ	જીંડવાનીઈયળો	૪૦૦-૬૬૦	૧૦૦૦-૧૫૦૦	૫૦૦-૧૦૦૦	૧૪ દિવસ

પૉલિટ્રિન સી ૪૪ ઈસી, વિવિધ પાકો ઉપર સામાન્ય રીતે વપરાતાં અન્ય ફુગનાશકો, જંતુનાશકો, અને રાસાયણીક ખાતરો સાથે સુસંગીત છે. વપરાશ પહેલાં હંમેશા લોકલી તેની સંલગ્નતા ચકાસવી હિતાવહ છે.

વિષમયતા: પૉલિટ્રિન સી ૪૪ ઈસી, તિવ્ર ઓરલ એલ ડી ૫૦ ઉંદરો ઉપર ૮૮૩ મી.ગ્રામ/૧ કીલો વજન માટે. તિવ્ર ડરમલ એલડી ૫૦ ઉંદરો ઉપર ૪૦૦૦ મી. ગ્રામ/૧કીલો વજન માટે. તે સસલાની ચામડી તથા આંખો ઉપર સામાન્યથી મોડરેટ ઈરીટંટ છે.

વાપરવા માટેની ભલામણો: દવાની જરૂરી માત્રા નો જથ્થો માપી તેને થોડા પાણી સાથે. બરોબર ભેળવો. હાઈવોલ્યુમ સ્પ્રેઅર અગર નેપસેક સ્પ્રેઅર થી છંટકાવ માટે જરૂરી પાણીનો જથ્થો લઈ તેમાં ઉમેરો.

ફસલ રક્ષણ માટે સાધન: નેપસેક સ્પેયર, ફુટ સ્પેયર, કોમ્પ્રેનસર નેપસેક સ્પેયર, બેટરી સ્પેયર, બેટરી તથા વિજળી (પખર) સ્પેયર.

સંગ્રહ: ૧. જંતુનાશક દવાનો જથ્થો, તેના ઓરીજીનલ પેકીંગ, ખાસ કરીને ખાદ્ય પદાર્થો રાખવાની જગ્યા એથી અલગ રૂમ માં રાખો. અગર અલગ અલમારી/ કબાટમાં તાળું મારીને રાખો. ૨. જંતુનાશક દવા રાખવા નો ઓરડો, મજબુત બાંધકામ વાળો, સુકો તેમજ હવા ઉજાસ વાળો હોવો જરૂરી છે તેથી હવાનું પ્રદુષણ રોકી શકાય.

સાવચેતીઓ : રાંધવાના વાસણો નો ઉપયોગ જંતુનાશકનું દ્રાવણ બનાવવા ન કરો. દ્રાવણ ને ભેળવવા માટે લાકડીનો ઉપયોગ કરો. ચામડી સાથે સ્પર્શ અટકાવવા, હાથમોજાં પહેરો. સ્વાચ્છીશ્વાસ તેમજ આંખો સાથે સ્પર્શ ન થાય તેની કાળજી રાખો. છંટકાવ વખતે અલગ કપડાં, માસ્ક તેમજ ગોગલ્સ અને બુટ પહેરો અને શરીર ઉપર છંટકાવ ન થાય તેની કાળજી લો. મો વડે નાંઝલ સાફ ન કરો. છંટકાવ કરતી વખતે ખાવું તેમજ ધુમ્રપાન કરવું નહિ. વપરાયા વગરનું દ્રાવણ પડી ન રહેવા દો.

છંટકાવ બાટ, સ્પ્રેઅરપંપ, બાલટી તેમજ બીજા સાધનો પાણી થી બરોબર ધોઈ/નાંખવા. છંટકાવ બાદ, કપડાં બદલી નાખાવાં અને બહોળા પાણીથી સાબુ વડે હાથપણ ધોઈ નાંખવા છંટકાવ કરેલ કપડાં પણ ધોઈ નાખવાં. વહેતા પાણી માં અથવા તળાવ વિગેરેમાં વધેલું દ્રાવણ નાખવું નહિં તથા દવાનો પંપ કે વાસણો પણ ધોવા નહિ. મધમાખીઓ ક્રિયાશિલ હોય ત્યારે છંટકાવ ન કરવો. ભલામણ કરેલ માત્રા માં છંટકાવ કરવામાં આવે તો અન્ય વનપ્રાણીઓ ઉપર કોઈ વિપરીત અસર જણાયેલ નથી. દવાના ઝેર ચઢયાના લક્ષણો દેખાય તો તરત જ ડોક્ટરનો સંપર્ક કરો.

દવાની ખાલી બોટલોનો નાશ: ૧. વાતાવરણનું પ્રદુષણ અટકાવવા, દવાનો વધારાનો જથ્થો તથા મશીન વગેરે ધોયાબાદ તેના વ્યવસ્થિત નિકાલ કરવો જોઈએ. ૨. વપરાયેલ પેકેજીંગ મટીરીઅલ ગમે તેમ ન રાખવું જેથી તેનો ફરી ઉપયોગ ન થાય. ૩. વપરાયેલ પેકેજીંગ મટીરીઅલનો નાશ કરવો જરૂરી છે.

ઝેર ચઢયાંના લક્ષણો: સામાન્યથી ભાડેરેટ લક્ષણો : માથુ દુખવું, અશક્તિ લાગવી, પરસેવો થવો, ઉલટીઓથવી, બેચેની લાગવી. ગળે ઉતારવામાં તકલીફ થવી.

તિવ્ર લક્ષણો: ખૂબ પરસેવો થવો, આંખોમાં બળતરા તેમજ દુખાવો થવો, સ્નાયુઓ ખેંચાવા, બોલવામાં તોતડાશ, ખૂબ લાળ પડવી, સ્વાચ્છોશ્વાસમાં તકલીફ જણાય, હૃદયની તકલીફ થવી, ખેંચ આવવી તથા બેભાન થઈ જવું.

પ્રાથમિક સારવાર: ઝેરના લક્ષણો ધરાવતાં માણસને ખુલ્લી હવામાં લઈ જઓ અને શરીરને ઠંડુ પડતું અટકાવો. ઝેર ચઢયાંના લક્ષણો જણાય તો તાત્કાલીક ડોક્ટરને બોલાવો. જો ચામડી ઉપર અસર જણાય તો કપડાં બદલાવી નાખી શરીરના તે ભાગને સાબુથી ખૂળપાણીથી ધોઈ નાખો. આંખો માં અસર જણાય તો લાંબો સમય ચોખ્ખા પાણીની છાલકો મારી આંખો ધોઈ નાખો અને ડોક્ટરી સારવાર લો. જો દવા પેટમાં ગઈ હોય અને તાત્કાલીક ડોક્ટરી સારવાર શક્ય ન હોય તો ગળામાં આંગળી નાખી ઉલટી કરાવો. ત્યાર બાદ બહોળા પાણી માં મેડીસીનલ આરકોલ નસ મારફત વારંવાર આપો.

નોધ: બેભાન માણસને, મોં વાટે કોઈ વસ્તુ આપવી નહિ.

એન્ટીડોટ: ડોક્ટરની દેખરેખ હેઠળ, એટ્રોપીન, વધારામાં ઓકસીમ પ્રીપેરેશન જેવી કે ટોક્ષોગોનીન આપવી. ૨ થી ૪ મી.ગ્રા. એટ્રોપીન ઈન્જેકસન દ્વારા (બાળકો મોટે ૦.૫ થી ૨ મી.ગ્રા. ઉંમર પ્રમાણે) ઈન્ટ્રાવીનસ અગર ઈન્ટ્રામસ્કયુલર દરેક ૫ થી ૧૦ મિનીટે, જ્યાં સુધી એટ્રોપીનની અસર ન થાય ત્યાં સુધી. દર્દીલાંબો સમય સુધી એટ્રોપીનાઈઝડ રહેવો જરૂરી છે (૨૪ થી ૪૮ કલાક).

નિર્માતા : સિન્જેન્ટા ઈન્ડિયા લિમિટેડ,
અમર પરાડિગ્મ, એસ. નં. ૧૧૦/૧૧/૩, બાનેર રોડ, પુણે-૪૧૧ ૦૪૫.

ફૅક્ટરી : સિન્જેન્ટા ઈન્ડિયા લિમિટેડ, યુનિટ II, પ્લૉટ નં. બી-૧૫૫/૧, જીઆઈડીસી ઇસ્ટેટ, અંકલેશ્વર - ૩૯૩૦૦૨, જિલ્લો-ભરૂચ.

PROFENOFOS 40% + CYPERMETHRIN 4% EC

(A Broad Spectrum Insecticide)

Polytrin® C 44EC

READ INSTRUCTION LEAFLET BEFORE USE

STORE IN A COOL, DRY AND WELL VENTILATED PLACE

syngenta®

Manufactured by :

Syngenta India Ltd.,
Amar Paradigm, S. No.110/11/3,
Baner Road, Pune – 411 045.

Factory :

Syngenta India Ltd.,
Unit II, Plot No. B-155/1, GIDC Estate,
Ankleshwar - 393 002, District Bharuch.

IN4041309

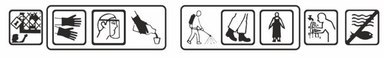

For any complaints, please contact our Customer Service Executive.
Syngenta India Limited,
Amar Paradigm, S.No. 110/11/3, Baner Road, Pune 411045, Maharashtra, India
Telephone No.: 020 30699533, Toll Free : 1800 2001 310, Email:customercare.india@syngenta.com

Product names marked ® or ™, the **SYNGENTA** Logo and the Alliance Frame are Trademarks of a Syngenta Group Company.

16.5 X 11.25 inches

ਪ੍ਰੋਫੈਨੋਫਾਸ 40% + ਸਾਈਪਰਮੈਥ੍ਰਿਨ 4% ਈ.ਸੀ.

ਪਾਲੀਟ੍ਰਿਨ ਸੀ 44 ਈ.ਸੀ.

(ਬਹੁਪੱਖੀ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ)

ਪਾਲੀਟ੍ਰਿਨ ਸੀ 44 ਈ.ਸੀ. ਇਕ ਬਹੁਪੱਖੀ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਹੈ, ਜੋਕਿ ਸ਼ਪਰਸ਼ ਅਤੇ ਪੇਟ ਰਾਹੀਂ, ਕਪਾਹ ਦੀਆਂ ਟੀਂਡਾਸੁੰਡੀਆਂ ਉਤੇ ਅਸਰ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਇਹਦੇ ਇਕ ਲਿਟਰ ਵਿਚ 400 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰੋਫੈਨੋਫਾਸ (0-(4-ਬ੍ਰੋਮੋ-2-ਕਲੋਰੋ-ਫੀਨਾਈਲ)-0-ਈਥਾਈਲ ਐਸ-ਐਨ-ਪ੍ਰੋਪਾਈਲ-ਫੋਸਫੋਰੋਥਾਇਓਏਟ ਅਤੇ 40 ਗ੍ਰਾਮ ਸਾਈਪਰਮਾਈਥ੍ਰਿਨ (ਆਰ ਐਸ)- ਅਲਫਾ-ਸਾਈਨੋ-3-ਫੀਨੋਕਸੀਬੇਨਜਾਈਲ (1 ਆਰ ਐਸ)-ਸਿਸ-ਟ੍ਰਾਂਸ-3-(2,2- ਡਾਈਕਲੋਰੋਫਿਨਾਈਲ)-2,2-ਡਾਈ ਡਾਈਮਿਥਾਈਸਾਈਸਿਓਪ੍ਰੋਪੇਨ ਕਾਰਬੋਕਸੀਲੇਟ ਹੈ।

ਪਾਲੀਟ੍ਰਿਨ ਸੀ 44 ਈਸੀ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਅਤੇ ਸ਼ਿਫਾਰਸ਼ਾਂ: ਕਪਾਹ ਦੇ ਸਾਰੇ ਟੀਂਡਾਸੁੰਡੀ ਕੀਟਾਂ ਦੀ ਰੋਕਥਾਮ ਲਈ।

ਫ਼ਸਲ	ਰੋਗ ਦਾ ਆਮ ਨਾਮ	ਮਾਤਰਾ/ਹੈਕਟਰ ਕ੍ਰਿ. ਤੱਤ (ਗ੍ਰਾ.)	ਮਾਤਰਾ/ਹੈਕਟਰ ਨੁਸਖਾ (ਮਿਲੀ.)	ਮਾਤਰਾ/ਹੈਕਟਰ ਘੋਲ ਦਾ ਪਾਣੀ (ਲੀ.)	ਅੰਤਿਮ ਛਿੜਕਾਅ ਤੇ ਕਟਾਈ ਵਿਚ ਉਡੀਕ
ਕਪਾਹ	ਸਭ ਈਂਡਾ ਸੁੰਡੀਆਂ	440-660	1000-1500	500-1000	14 ਦਿਨ

ਅਨੁਕੂਲਤਾ: ਪਾਲੀਟ੍ਰਿਨ ਸੀ 44 ਈਸੀ ਆਮ ਕਿਸਮਾਂ ਦੇ ਫਫੂੰਦੀਨਾਸ਼ਕਾਂ, ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ, ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕਾਂ ਅਤੇ ਉਰਵਰਕਾਂ ਨਾਲ ਅਨਕੂਲ ਹੈ ਜੋਕਪਾਹ ਲਈ ਵਰਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਹਮੇਸ਼ਾ ਸਥਾਨਕ ਤੌਰ ਤੇ ਇਸਦੀ ਜਾਂਚ ਬਿਹਤਰ ਹੈ।

ਜ਼ਹਿਰੀਲਾਪਣ: ਪਾਲੀਟ੍ਰਿਨ ਸੀ 44 ਈਸੀ ਦਾ ਤੀਬਰ ਮੌਖਿਕ ਝਲ 50 ਚੂਹੇ ਉਤੇ 883 ਮਿਗ੍ਰਾ/ਕਿਗ੍ਰਾ ਹੈ। ਚੂਹੇ ਉਤੇ ਤੀਬਰ ਡਰਮਲ Ld 50 > 4000 ਮਿਗ੍ਰਾ/ਕਿਗ੍ਰਾ ਹੈ। ਖਰਗੋਸ਼ ਦੀ ਅੱਖ ਅਤੇ ਚਮੜੀ ਉਤੇ ਹਲਕੀ ਜਲਨ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।

ਵਰਤੋਂ ਲਈ ਹਿਦਾਇਤਾਂ: ਦਵਾਈ ਦੀ ਲੋੜੀਂਦੀ ਮਾਤਰਾ ਲੈਕੇ ਥੋੜ੍ਹੇ ਜਿੰਨੇ ਪਾਣੀ ਵਿਚ ਘੋਲੋ। ਫੇਰ ਸਿਫ਼ਾਰਿਸ਼ ਅਨੁਸਾਰ ਦੱਸੇ ਪਾਣੀ ਦੀ ਬਾਕੀ ਮਾਤਰਾ ਮਿਲਾਕੇ ਖ਼ੂਬ ਰਲਾਓ ਤੇ ਹਾਈ ਵਾਲਿਊਮ ਛਿਵਕਾਅ ਕਰਨ ਲਈ ਨੈਪਸੈਕ ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਜਾਂ ਹਾਈ ਵਾਲਿਊਮ ਛਿੜਕਾਅ ਦੇ ਦੂਜੇ ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਵਰਤੋ।

ਛਿੜਕਾਅ ਦੇ ਉਪਕਰਣ: ਨੈਪਸੈਕ ਸਪ੍ਰੇਅਰ, ਫੁਟ ਸਪ੍ਰੇਅਰ, ਕੰਪ੍ਰੈਸ਼ਨ ਨੈਪਸੈਕ ਸਪ੍ਰੇਅਰ, ਬੈਟਰੀ ਸਪ੍ਰੇਅਰ, ਬੈਟਰੀ ਤੇ ਪਾਵਰ ਨਾਲ ਚਲਣ ਵਾਲੇ ਸਪ੍ਰੇਅਰ।

ਸਟੋਰੇਜ: 1. ਦਵਾਈ ਦੇ ਪੈਕਿਟ ਮੂਲ ਡੱਬਿਆਂ ਵਿਚ ਪਾਕੇ ਹੋਰ ਚੀਜ਼ਾਂ ਖ਼ਾਸਕਰ ਖਾਣਪੀਣ ਦੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਵਾਲੇ ਕਮਰੇ ਜਾਂ ਅਹਾਤੇ ਤੋਂ ਦੂਰ, ਵਖਰੇ ਕਮਰੇ ਜਾਂ ਅਹਾਤੇ ਵਿਚ ਜਾਂ ਦਵਾਈ ਦੀ ਮਾਤਰਾ ਤੇ ਕਿਸਮ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਵਖਰੀਆਂ ਅਲਮਾਰੀਆਂ ਵਿਚ ਤਾਲਾ ਮਾਰਕੇ ਰੱਖੋ। 2. ਦਵਾਈ ਰੱਖਣ ਵਾਲੇ ਕਮਰੇ ਜਾਂ ਅਹਾਤੇ ਪੱਦੇ ਬਣੇ, ਠੰਡੇ, ਸੁੱਕੇ, ਚੰਗੇ ਰੌਸ਼ਨੀਦਾਰ, ਹਵਾਦਾਰ ਤੇ ਖੁਲ੍ਹੇ-ਡੁਲ੍ਹੇ ਹੋਣ ਤਾਂਜੋਹਵਾੜ ਨਾਲ ਜ਼ਹਿਰ ਨਾ ਫੈਲੇ।

ਸਾਵਧਾਨੀਆ: ਛਿੜਕਾਅ ਰਸੋਈ ਵਾਲੇ ਬਰਤਨਾਂ ਵਿਚ ਨਾ ਬਣਾਓ। ਘੋਲ ਰਲਾਉਣ ਲਈ ਡੰਡਾ ਵਰਤੋ। ਦਸਤਾਨੇ ਪਾਕੇ ਕੰਮ ਕਰੋਤਾਂਜੋਦਵਾਈ ਚਮੜੀ ਨੂੰ ਨਾ ਲੱਗੇ। ਸਾਹ ਵਿਚ ਜਾਂ ਅੱਖਾਂ ਵਿਚ ਦਵਾਈ ਨਾ ਲੱਗਣ ਦਿਓ। ਸੁਰੱਖਿਆ ਵਸਤਰ ਪਹਿਨੋ, ਜਿਵੇਂ ਮੁਖੌਟਾ, ਚਸ਼ਮਾ, ਬੂਟ ਆਦਿ ਅਤੇ ਛਿੜਕਾਅ ਦੀ ਫੁਹਾਰ ਤੋਂ ਬਚਾਅ ਰੱਖੋ। ਨੋਜ਼ਲਾਂ ਵਿਚ ਮੂੰਹ ਨਾਲ ਫੂਕਾਂ ਨਾ ਮਾਰੋ। ਦਵਾਈ ਬਣਾਉਂਦਿਆਂ, ਛਿੜਕਾਉਂਦਿਆਂ ਖਾਣਾ, ਪੀਣਾ, ਧੂਮਰਪਾਨ ਨਾ ਕਰੋ। ਬੰਚੀ ਹੋਈ ਦਵਾਈ ਸਾਂਭਕੇ ਨ ਰੱਖੋ।

ਕੰਮ ਖਤਮ ਕਰਕੇ ਹਮੇਸ਼ਾ ਸਪ੍ਰੇਅਰ, ਬਾਲਟੀਆਂ ਤੇ ਹੋਰ ਬਰਤਨ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਖ਼ੂਬ ਸਾਫ਼ ਕਰੋ। ਹੱਥ ਸਾਬਣ ਤੇ ਖੁਲ੍ਹੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਸਾਫ਼ ਕਰੋਤੇ ਕਪੜੇ ਬਦਲੋ। ਪਲੀਤ ਕਪੜੇ ਧੋਵੋ। ਬਚੀ-ਖੁੱਚੀ ਦਵਾਈ ਜਾਂ ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਦੀ ਧੁਆਈ ਦਾ ਪਾਣੀ ਤਾਲਾਬ, ਨਦੀ-ਨਾਲਿਆਂ ਵਿਚ ਸੁਟਕੇ ਜ਼ਹਿਰ ਨਾ ਫੈਲਾਓ ਤੇ ਨਾ ਹੀ ਬਾਲਟੀਆਂ ਉਹਨਾਂ ਵਿਚ ਸਾਫ਼ ਕਰੋ।

ਜਦੋਂ ਮਧੂਮੱਖੀਆਂ ਦੀ ਗਰਦਿਸ਼ ਚਾਲੂ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਛਿੜਕਾਅ ਨਾ ਕਰੋ। ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ੀ ਮਾਤਰਾ ਅਨੁਸਾਰ ਵਰਤਣ ਨਾਲ ਜੰਗਲੀ ਜੀਵ-ਜੰਤੂਆਂ ਨੂੰ ਹਾਨੀ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ। ਜੇ ਜ਼ਹਿਰ ਦੇ ਲੱਛਣ ਹੋਣ ਤਾਂ ਫੌਰਨ ਡਾਕਟਰ ਨੂੰ ਬੁਲਾਓ।

ਖਾਲੀ ਡੱਬਿਆਂ ਦਾ ਨਿਪਟਾਰਾ: 1. ਖ਼ਾਲੀ ਪੈਕਿਟ, ਬਚੀ-ਖੁਚੀ ਦਵਾਈ ਤੇ ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਧੁਆਈ ਦਾ ਪਾਣੀ ਐਸੇ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਢੰਗ ਨਾਲ ਨਿਪਟਾਓ ਤਾਂਜੋਵਾਤਾਵਰਣ ਤੇ ਪਾਣੀ ਦੂਸ਼ਿਤ ਨਾ ਹੋਵੇ। 2. ਖ਼ਾਲੀ ਡੱਬੇ ਬਾਹਰ ਖੁਲ੍ਹੇ ਨਾ ਛੱਡੋਤਾਂਜੋਦੁਬਾਰਾ ਨਾ ਵਰਤੇ ਜਾਣ। 3. ਖ਼ਾਲੀ ਡੱਬੇ ਭੰਨ-ਤੋੜਕੇ ਬਸਤੀ ਤੋਂ ਦੂਰ ਗੱਡ ਦਿਓ।

ਜ਼ਹਿਰ ਦੇ ਲੱਛਣ: ਹਲਕੇ ਜਾਂ ਕੁਝ ਵੱਧ ਲੱਛਣ: ਸਿਰਪੀੜ, ਕਮਜ਼ੋਰੀ ਦਾ ਅਨੁਭਵ, ਪਸੀਨਾ, ਬੇਚੈਨੀ, ਉਲਟੀ, ਘਬਰਾਹਟ, ਨਿਗਲਣ ਵਿਚ ਤਕਲੀਫ਼।

ਤੇਜ਼ ਜ਼ਹਿਰ ਦੇ ਲੱਛਣ: ਵੱਧ ਪਸੀਨਾ, ਅੱਖਾਂ ਦਾ ਦਰਦ, ਪੁਤਲੀਆਂ ਸੁੰਗੜਨਾ (ਮਿਓਸਿਸ), ਏਂਠਨ, ਜ਼ੁਬਾਨ ਲੜਖੜਾਉਣੀ (ਥਥਲਾਉਣਾ), ਵੱਧ ਥੁੱਕਾਂ, ਸਾਹ ਵਿਚ ਤਕਲੀਫ਼, ਕਾਲਿਕ, ਦਿਲ ਦੀ ਸ਼ਿਕਾਇਤ, ਕੜਵੱਲ, ਬੇਹੋਸ਼ੀ।

ਫੌਰੀ ਇਲਾਜ: ਮਰੀਜ਼ ਨੂੰ ਫੌਰਨ ਖੁਲ੍ਹੀ ਹਵਾਦਾਰ ਥਾਂ ਵਿਚ ਲੈ ਜਾਓ ਤੇ ਠੰਡਾ ਹੋਣ ਤੋਂ ਬਚਾਅ ਕਰੋ। ਜੇ ਜ਼ਹਿਰ ਚੜ੍ਹਨ ਦੀ ਸ਼ੰਕਾ ਹੋਵੇ: ਤਾਂ ਫੌਰਨ ਪਲੀਤ ਕਪੜੇ ਉਤਾਰੋਅਤੇ ਦੂਸ਼ਿਤ ਹਿੱਸੇ ਨੂੰ ਸਾਬਣ ਤੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਖ਼ੂਬ ਧੋਵੋ। ਜੇ ਤੱਵਚਾ ਨੂੰ ਲੱਗ ਜਾਵੇ: ਜੇ ਕਪੜੇ ਅਤੇ ਤਵਚਾ ਪਲੀਤ ਹੋਜਾਣ ਤਾਂ ਕਪੜੇ ਉਤਾਰ ਕੇ ਸਰੀਰ ਦੇ ਪਲੀਤ ਹੋਏ ਭਾਗਾਂ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਪਾਣੀ ਅਤੇ ਸਾਬਣ ਨਾਲ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਧੋਲਓ। ਜੇ ਅੱਖਾਂ ਨੂੰ ਲੱਗ ਜਾਵੇ: ਤਾਂ ਕਾਫ਼ੀ ਦੇਰ ਤਕ ਛਿੱਟੇ ਮਾਰਕੇ ਅੱਖਾਂ ਧੋਵੋਤੇ ਡਾਕਟਰ ਨੂੰ ਦੱਸੋ। ਜੇ ਪੇਟ ਵਿਚ ਜਾਵੇ: ਜੇ ਡਾਕਟਰੀ ਮਦਦ ਫੌਰਨ ਨਾ ਮਿਲੇ ਤੇ ਤੇਜ਼ ਜ਼ਹਿਰ ਦੇ ਲੱਛਣ ਹੋਣ ਤਾਂ ਮਰੀਜ਼ ਦੇ ਗਲੇ ਵਿਚ ਉਗਲਾਂ ਫੇਰਕੇ ਉਲਟੀ ਕਰਾਓ। ਫੇਰ ਵੱਧ ਮਾਤਰਾ ਵਿਚ ਪਾਣੀ ਲੈਕੇ ਮੈਡੀਕਲ ਚਾਰਕੋਲ ਬਾਰਬਾਰ ਦਿਓ। ਨੋਟ: ਜੇ ਮਰੀਜ਼ ਬੇਹੋਸ਼ ਹੈ ਤਾਂ ਮੂੰਹ ਰਾਹੀਂ ਕੁਝ ਨਾ ਦਿਓ।

ਵਿਸ਼ਨਿਵਾਰਕ: ਐਟ੍ਰੋਪੀਨ ਦੇ ਨਾਲ ਟਾਕਸੋਗੋਨਿਨ ਵਰਗੇ ਆਕਜ਼ਾਈਮ ਡਾਕਟਰ ਦੀ ਦੇਖਰੇਖ ਵਿਚ ਦਿਓ। 2-4 ਮਿਗ੍ਰਾ ਐਟ੍ਰੋਪੀਨ ਸਲਫ਼ੇਟ (ਬੱਚਿਆਂ ਲਈ ਉਮਰ ਅਨੁਸਾਰ 0.5 ਤੋਂ 2 ਮਿਗ੍ਰਾ) ਦਾ ਇੰਜੈਕਸ਼ਨ ਨਸ ਜਾ ਮਾਸਪੇਸ਼ੀ ਰਾਹੀਂ ਹਰ 5-10 ਮਿਨਟ ਬਾਅਦ ਦਿਓ ਜਦ ਤਕ ਐਟ੍ਰੋਪੀਨ ਦਾ ਅਸਰ ਹੋਣ ਦੇ ਲੱਛਣ ਨਾ ਦਿਸਣ। ਮਰੀਜ਼ ਨੂੰ ਐਟ੍ਰੋਪੀਨ ਦੇ ਅਸਰ ਹੇਠ ਕਾਫੀ ਸਮੇਂ ਤਕ (24 ਤੋਂ 48 ਘੰਟੇ) ਰਖੋਤਾਂਕੇ ਬਾਅਦ ਨੂੰ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਅਸਰ ਰਾਹੀਂ ਵਿਸ਼ ਫੇਰ ਤੋਂ ਨਾ ਚੜ੍ਹੇ।

ਨਿਰਮਾਤਾ : ਸਿੰਜੇਂਟਾ ਇੰਡੀਆ ਲਿਮਿਟੇਡ,
ਅਮਰ ਪਰਾਡੀਗਮ, ਐਸ.ਨੰ. ੧੧੦/੧੧/੩, ਬਾਨੇਰ ਰੋਡ, ਪੁਣੇ - ੪੧੧੦੪੫.

ਫ਼ੈਕਟਰੀ : ਸਿੰਜੇਂਟਾ ਇੰਡੀਆ ਲਿਮਿਟੇਡ, ਯੁਨਿਟ II, ਪਲਾਟ ਨੰ. ਬੀ-੧੫੫/੧, ਜੀਆਈਡੀਸੀ ਇਸਟੇਟ, ਅੰਕਲੇਸ਼ਵਰ - ੩੯੩੦੦੨, ਜਿਲਾ ਭਰੁਚ.

ప్రొఫెనోఫాస్ 40% + సైపర్ మిత్రిన్ 4% ఇసి

పోలిట్రిన్ సి 44 ఇ.సి.

(విస్తృత చర్య గల కీటకనాశిని)

పోలిట్రిన్ సి 44 ఇ.సి తాకుడు మరియు ఉదర చర్యల ద్వారా ప్రత్తి పంటను ఆశించు కాయతొలుచు మరియు రసం పీల్చు పురుగులను అరికట్ట గల విస్తృత చర్యగల కీటకనాశని. దీనిలో 400 గ్రా. ప్రొఫెనోఫాస్ (0-(4-బ్రోమో-2-క్లోరో-ఫినైల్)-0-ఇథైల్ ఎస్-ఎన్-ప్రొపైల్-ఫాస్ఫోరోథైయోట్ మరియు 40 గ్రాముల సైపర్‌మిత్రిన్ (ఆర్ యస్)-ఆల్ఫా-సైనో-3-ఫినోక్సీబైంజైల్ (1ఆర్ యస్)-సిస్ -ట్రాన్స్ 3-(2,2-డైక్లోరోవినైల్)-2,2 డైమిథైల్‌సైక్లోప్రోఫేన్ కార్బోక్సిలేట్) ఒక లీటర్‌పై ఎమసలిఫయబుల్ (ఇ.సి)గా తయారు చేయబడినది.

సిఫారసు మరియు ఉపయోగించు విధానము :

పోలిట్రిన్ సి 44 ఇ.సి. ప్రత్తిని ఆశించు కాయతొలుచు పురుగులను అరి కట్టుటకు సిఫారసు చేయబడినది.

పంట	పురుగు మాములు/ సాధారణ పేరు	మోతాదు/హెక్టారుకు మూలపదార్థము గ్రాములలో	మోతాదు/హెక్టారుకు ఫార్ములేషన్ (మి.లి)	మోతాదు/హెక్టారుకు వాడవలసిన నీరు (లీటర్లు)	చివరి స్ప్రేకు కోతకు మధ్య వదల వలసిన రోజులు
ప్రత్తి	కాయతొలుచు పురుగులు	440-660	1000-1500	500-1000	14 రోజులు

కలిసిపోవు గుణము (అనుగుణ్యాత): పోలిట్రిన్ సి 44 ఇ.సి. సాధారణముగా వాడే తెగుళ్ళ మందులు, పురుగు మందులు, కలుపు నివారణగా మందులు మరియు ఎరువులలో కలిసి పోవు గుణము కలిగి యున్నది. చల్లే సమయములో కలిసి పోవు గుణమును నిర్ధారించు కొనుట మంచిది.

విషతీవ్రత: పోలిట్రిన్ సి 44 ఇ.సి. ఎలుకల యొక్క తీవ్ర నోరల్ ద్వారా LD 50 883 మి.గ్రా./ ఒకకేజి. తీవ్ర చర్మ LD 50>4000 మి.గ్రా./ ఒకకేజి. కుందేలుకు కంటికి మరియు చర్మమునకు కొదదిగా లేక తగు మాత్రము దురద, మంట వచ్చును.

వాడు విధానము: వాడవలసిన మందు మోతాదును కొలిచి ముందుగా కొదది నీటిలో బాగుగా కలుప వలెను. సూచన ప్రకారముగా మిగిలిన నీటితో బాగుగా కలుపుతూ మిశ్రమమును నాప్‌సాక్ స్ప్రేయర్‌కు లేదా హై వాల్యూమ్ స్ప్రేయర్‌కు తయారు చేసుకొన వలయును.

సస్యరక్షణ పరికరాలు: నాప్‌సాక్ స్ప్రేయర్, ఫుట్ స్ప్రేయర్, కంప్రెషన్ నాప్‌సాక్ స్ప్రేయర్, బ్యాటరీ స్ప్రేయర్, బ్యాటరీ మరియు పవర్‌తో నడిపే స్ప్రేయర్.

నిలువ చేయుట: 1. పురుగుమందు డబ్బాలను వేరే రూములలో గాని, ఇతర ప్రదేశములలో గాని ఆహార పదార్థములకు దూరంగా ఉంచి తాళము వేయవలెను. 2. పురుగుమందులను ఉంచు రూములు లేదా ప్రదేశములు ధడముగా, పొడిగా, గాలి, వెలుతురు వచ్చునట్లుగా, తగినంత వైశాల్యములో ఉండవలయును.

ముందు జాగ్రత్తలు: స్ప్రే ద్రావణమును తయారుచేయుటకు వంట పాత్రలు ఉపయోగించరాదు. స్ప్రే ద్రావణమును కపులుటకు కర్ర వాడవలయును. వాసన పీల్చరాదు. కంటికి తగలకుండ జాగ్రత్త తీసుకొనవలయును. రబ్బరు చేతి తొడుగులు, బూట్లు ముఖానికి రక్షణ తొడుగు, తలపాగా, మరియు శరీరము పూర్తి రక్షణకు ముసుగు వేసుకొనవలయును. శరీరంపై స్ప్రే తంపర్లు పడకుండా జాగ్రత్త పడటానికి గాలి వేచే దిశలో స్ప్రే చేయండి. స్ప్రే నాజిళ్ళను నోటితో ఊదరాదు. స్ప్రే చేయు సమయంలో తినుట, త్రాగుట, పొగత్రాగుట చేయరాదు. స్ప్రే చేయగా మిగిలిన ద్రావణమును నిలువ చేయరాదు. స్ప్రేయరును, బక్కెట్‌ను, మిగతా స్ప్రే పరికరములను వాడిన తరువాత రోజూ నీటితో కడుగ వలయును. పిచికారి చేసిన తరువాత చేతులను సబ్బుతో ఎక్కువ నీటితో కడుగుకొనవలెయును. బట్టలను మార్చు కొనవలయును. ఈ బట్టలను శుభ్రముగా ఉతకవలయును. పురుగు మందు వాడిన పరికరములనుగాని, స్ప్రేయ రును గాని, మిగిలినపురుగు మందు ద్రావణమునుగాని నీటి వాగులలో, కాలువలో కడుగరాదు. తేనేటీగలు ఉన్నప్పుడు మందును చల్లవద్దు. సిఫారసు చేసిన మోతాదును వాడినప్పుడు జంతువులపై అపకారములేదు. ఏవిధమైన విషలక్షణములు కపనించిననూ వెంటనే వైద్యుని సంప్రదించ వలయును.

ఖాళీ డబ్బాలను పడవేసే పద్ధతి:

1. మిగిలిన ప్యాకింగ్ పదార్థములను, స్ప్రేయర్ కడిగిన నీటిని పర్యావరణ కాలుష్యము కలుగకుండా భద్రతగా పారవేయవలెను.
2. ఖాళీ డబ్బాలను మరల ఉపయోగించుటకు వీలుగా వదలరాదు.
3. ఖాళీ డబ్బాలను చితక కొట్టి నివాసాలకు దూరంగా భూమిలో పాతి పెట్టవలెను.

విషలక్షణములు: కొదది విషలక్షణములు:- తలనొప్పి, నిరసముగా ఉండుట, చెమట, వికారము, వాంతులు, మింగుడు పడకుండుట

తీవ్ర విషలక్షణములు:- ఎక్కువగా చెమటలు, కనుపాపలు చిన్నవిగా అగుట, కళ్ళమంటలు, కండరములు లాగుట, మాట్లాడ లేకపోవుట, నంగిగా మాట్లాడుట, చొంగకార్చుట, ఊపిరి అందక పోవుట, కడుపు నెప్పి, గుండెకు సంబంధిచిన ఇబ్బందులు, ఫిట్స్, సహా తప్పుట.

ప్రథమ చికిత్స: రోగిని ఉన్న ప్రదేశమునుండి బాగా గాలి, వెలుతురు, చల్లగా ఉన్న ప్రదేశమునకు మార్చ వలెను. విషలక్షణములు కనిపించినచో వెంటనే వైద్యుని పిలిపించవలయును. చర్మమునకు విషము తగిలినచో మందు తగిలిన బట్టలు వెంటనే మార్చి సబ్బు ఉపయోగించి నీటితో శరీరమంతయు పూర్తిగా తుడవ వలెను. కంటికి విషము తగిలినచో, ఎక్కువసేపు కంటిని పలుమార్లు నీటితో కడిగి, వెంటనే డాక్టరును పిలిపించవలయును. విషము లోనికి తీసుకున్నచో వైద్యుడు అందుబాటులో లేని అత్యవసర పరిస్థితులలో రోగిగొంతులో వేలు ఉంచి వాంతి చేయించవలయును. ఎక్కువ నీటిలో యాక్టివేటెడ్ చార్‌కోల్‌ను కలిపి పలుమార్లు తాగించవలయును.

గమనిక: స్పృహ లేని వ్యక్తికి నోటిద్వారా ఏమియు ఇవ్వరాదు.

విరుగుడు: టాగ్సోగోనిన్ వంటి అక్సిమ్ తయారీలను ఎట్రొపిన్‌తో వైద్యుని పర్యవేక్షణలో ఇవ్వవలయును. ఎట్రొపినైజేషన్ లక్షణములు కనబడువరకు. ఎట్రొపిన్ సల్ఫేట్‌ను ఇంజక్షన్ ద్వారా 2 నుంచి 4 మి.గ్రా. (వయస్సును బట్టి పిల్లలకు 0.5 నుంచి 2 మి.గ్రా.) నరమునకు గాని, కండరములకు గాని ఇవ్వవలయును మరల విషలక్షణములు కనపడకుండా (ఉండుటకు) నివారించుటకు ఎట్రొపినైజేషన్ (24 నుంచి 48 గంటలు) నరిపడు సమయము వరకు పొడిగించవలయును.

తయారుచేయువారు : సింజెంటా ఇండియా లిమిటెడ్,
అమర్ పరడిగ్మ్, ఎస్. నం. 110/11/3, బానెర్ రోడ్, పుణే - 411 045.

ఫ్యాక్టరి : సింజెంటా ఇండియా లిమిటెడ్, యునిట్ II, ప్లాట్ నం. బి-155/1, జిఐడిసి ఎస్టేట్, అంకలేశ్వర్ - 393 002, జిల్లా భరూచ్.

புரொஃபினோஃபாஸ் 40% + சைபர்மெத்ரின் 4% இசி

பாலித்ரின் சி 44 இ.சி.

(ஒரு பரந்து செயலாற்றும் பூச்சிக் கொல்லி)

பாலிட்ரின் சி 44 இசி பருத்திப் பயிரில் தோன்றும் காய்ப்புழுக்களுக்கு எதிராக தொடு மற்றும் இரை நஞ்சாக பரந்து செயல் புரியும் பூச்சிக்கொல்லி. இதில் 400 கிராம் புரோஃபினோஃபாஸ் (0-(4-ப்ரோமோ-2-குளோரோ-பினைல்)-0-ஈதைல் S-n-புரோபைல் பாஸ்பரோதியேட்) மற்றும் 40 கிராம் சைபர்மெத்ரின் (RS)-அல்பாசயனோ -3- பினோக்ஸிபென்ஜில் (1RS)-சிஸ்-டிரான்ஸ்-3 (2-2 டைக்ளோரோவினில்) -2-2 டைமெதிசிசியோபுரோபேன் கார்போ ஆக்ஸிலேட் ஒரு லிட்டருக்கு கரையத்தக்க (EC) தயாரிப்பு.

பயன்படுத்துதல் & பரிந்துரைகள் : பாலிட்ரின் சி 44 இசி காய்ப்புழுக்கள் நோயை (பால்வார்ம் காம்ப்ளெக்ஸ்) பருத்தியில் கட்டுப்படுத்துகிறது.

பயிர்	நோயின் சாதாரணப் பெயர்	அளவு/ஹெக்டேர் தீ.மூ. கி.	அளவு/ஹெக்டேர் தயாரிப்பு அளவு (மி.லி.)	அளவு/ஹெக்டேர் நீரில் கரையும் அளவு (லி)	கடைசித் தெளிப்பிலிருந்து அறுவடை வரை காத்திருக்கும் காலம்
பருத்தி	காய்ப்புழுக்கள் நோய் (பால்வார்ம் காம்ப்ளெக்ஸ்)	440-660	1000-1500	500-1000	14 நாட்கள்

ஒத்தியல்பு : பாலிட்ரின் சி 44 இசி, சாதாரணமாக உபயோகிக்கப்படும் மற்ற பூசணக்கொல்லிகள், பூச்சிக்கொல்லிகள், காளான் கொல்லிகள், உரங்கள் இவைகளுடன் பருத்தி வேளாண்மையில் ஒத்துப்போகும் குணம் கொண்டது. உங்கள் நிலத்தின் நிலைக்கேற்றபடி இந்த ஒத்தியல்பை எப்போதுமே சோதித்துக் கொள்ள வேண்டும் என கருத்து தெரிவிக்கப்படுகிறது.

விஷத்தன்மை : தீவிர வாய்வழி LD 50 எலிகளுக்கு **பாலிட்ரின் சி 44 இசி** 883 மிகி/கிலோ ஆகும். தீவிர தோல்வழி LD 50 எலிகளுக்கு > 4000 மிகி/கிலோ. முயல்களின் கண்கள் மற்றும் சருமத்துக்கு லேசான, மிதமான எரிச்சலை ஏற்படுத்தும்.

பயன்படுத்துதலுக்கான குறிப்புகள் : தேவையான அளவு மருந்தை அளவாக எடுத்துக் கொண்டு, சிறிது நீர் சேர்த்து நன்கு கலக்கவும். மீதித் தண்ணீரையும் கொடுத்துள்ள அளவின்படி சேர்த்து, நன்கு குலுக்கிக் கலந்து க்நாப்சாக் தெளிப்பான்கள் அல்லது அதிக அளவு தெளிப்பான்கள் மூலம் அதிக அளவில் தெளிக்கப் பயன்படுத்தவும்.

பயிர் பாதுகாப்பு சாதனங்கள் : க்நாப்சாக் தெளிப்பான், கால் தெளிப்பான், க்நாப்சாக் அழுத்தத் தெளிப்பான், பேட்டரி தெளிப்பான் மற்றும் மின்சாரத்தால் இயங்கும் தெளிப்பான் போன்றன.

பத்திரப்படுத்துதல் : 1. பூச்சிமருந்துகள் அடங்கிய கொள்கலன்கள், அசல் பேக்கிங்குகளிலேயே பத்திரப்படுத்தப்பட்டு, மற்ற பொருட்களைப் பாதுகாக்கும் அறைகள், கட்டிடங்களுக்கு அப்பால், குறிப்பாக உணவுப் பொருட்கள் இருக்கும் இடங்களுக்கு அப்பால் பத்திரப்படுத்திட வேண்டும். அல்லது பூட்டும் வசதி கொண்ட அலமாரிகளில் பத்திரமாக வைக்கலாம் 2. பூச்சி மருந்துகளை பத்திரப்படுத்தும் அறைகள் நல்ல கட்டுமானம், உலர்வு, குளிர்ச்சி, நல்ல வெளிச்சம், காற்றோட்டம் கொண்டதாய், மருந்து ஆவியாகி சுற்றுப்புறத்தை மாசுபடுத்தாத வண்ணம், போதிய பரப்பளவு கொண்டதாய் இருக்கவேண்டும்.

முன் எச்சரிக்கை : தெளிக்க வேண்டிய மருந்தைக் கலக்க சமையல் பாத்திரங்களை பயன்படுத்தாதீர்கள். மருந்து கரைசலை கலக்க குச்சியை பயன்படுத்தவும். சருமம் பாதிக்கப்படாமல் இருக்க கைஉறைகள் அணியவும். மேலும், உட்சுவாசித்தலையோ, கண்களில் படுவதையோ தவிருங்கள். தெளிக்கும்போது பாதுகாப்பான ஆடைகள், முகமூடி, கண்ணாடிகள், பூட்ஸ்கள் போன்றவற்றை அணியவும் மருந்து துகள் உங்கள்மேல் படுமாறு தெளிக்காதீர்கள் தெளிப்பானின் துவாரப்பகுதிகளில் வாயினால் ஊதாதீர்கள். மருந்தைக் கையாளும்போதும், பயன்படுத்தும்போதும் உண்ணுதல், பானங்கள் குடித்தல், புகை பிடித்தல் கூடாது. பயன்படுத்தாத மருந்து கரைசலை பாதுகாத்து வைக்காதீர்கள்.

தினமும், பயன்படுத்தியபின் தெளிப்பான்கள், வாளிகள் மற்றும் பாத்திரங்களை தண்ணீரால் நன்கு கழுவவும்.

கைகளை சோப் மற்றும் தண்ணீர் கொண்டு நன்கு கழுவவும், வேலை முடிந்ததும் உடைகளை மாற்றிக்கொள்ளவும். பாதிக்கப்பட்ட துணிகளை சுத்தம் செய்யவும். நீர்நிலைகள், குட்டைகள், வாய்க்கால்கள் போன்றவற்றை மீதுமுள்ள மருந்துக் கலவைகளை கொட்டியோ, தெளிப்பான்களைக் கழுவியோ, மருந்து கலந்த வாளிகளைக் கழுவியோ மாசுபடுத்தி விடாதீர்கள்.

தேனீக்கள் கூட்டமாக இருக்கும்போது தெளிக்காதீர்கள். பரிந்துரைக்கப்பட்டபடி பயன்படுத்தினால், வனவிலங்குச் சூழலுக்கு எந்தவித பாதிப்பும் ஏற்படாது என எதிர்பார்க்கப்படுகிறது. விஷம் தாக்கிய அறிகுறிகள் காணப்படுமானால், உடனடியாக மருத்துவரிடம் ஆலோசனை பெறவும்.

கொள்கலன்களை அப்புறப்படுத்துதல் : 1. சுற்றுப்புறச் சூழலுக்கு பாதிப்பு ஏற்படாதவாறு கொள்கலன்கள், எஞ்சிய மருந்துகள் மற்றும் எந்திரங்கள், கொள்கலன்களைக் கழுவிய நீர் இவை பாதுகாப்பாக அப்புறப்படுத்தப்பட வேண்டும். 2. உபயோகித்த கொள்கலன்களை மீண்டும் உபயோகிக்காமல் தடுக்கும் விதமாய், அவற்றை வெளியில் விட்டு வைக்கக் கூடாது. 3. மனித நடமாற்றமற்ற இடத்தில் கொள்கலன்கள் வெட்டிப் புதைக்கப்பட்டு விட வேண்டும்.

விஷம் தாக்கிய அறிகுறிகள் : லேசானது முதல் நடுத்தரமானது வரையிலான அறிகுறிகள்: தலைவலி, தளர்வாக உணர்தல், வியர்வை, உடல் நலமின்மை, வாந்தி, நடுக்கம், விழுங்குவதில் சிரமம் போன்றவை.

விஷம் தாக்கிய தீவிர அறிகுறிகள் : அதிக வியர்வை, கண்வலி, விழிகள் நிலைகுத்தி நிற்றல் (மயோசிஸ்), தசைஇழுப்பு, ஒழுங்கற்ற பேச்சு (குழறிய பேச்சு), மிகுதியாக உமிழ்நீர் சுரப்பு, மூச்சு விடுதலில் சிரமம், வயிற்றில் திருகுவலி, இதய இயக்கத்தில் பிரச்சனைகள், வலிப்புகள், மயக்கம் போன்றன.

முதல் உதவி : பாதிக்கப்பட்ட மனிதரை அபாயகரமான இடத்திலிருந்து நல்ல காற்றோட்டமான அறை அல்லது சுத்தமான காற்று வீசும் பகுதிக்கு மாற்றி பாதுகாக்கவும். விஷம்தாக்கியது என சந்தேகம் ஏற்படுமானால்: உடனே மருத்துவரை அழைக்கவும். சருமத்தில் பாதிப்பு ஏற்படுத்தி இருந்தால் : மருந்து பாதித்த ஆடைகளை அகற்றி விட்டு பாதிக்கப்பட்ட உடற்பகுதிகளை சோப் மற்றும் தண்ணீர் கொண்டு நன்கு சுத்தம் செய்து கொள்ளவும். கண்களில் பாதிப்பு இருந்தால் : கண்களில் நன்கு தண்ணீர் தெளித்து, பல நிமிடங்கள் சுத்தம் செய்தபின்பு, மருத்துவரை அழைக்கவும். விழுங்கியிருந்தால் மருத்துவ உதவி உடனடியாக கிடைக்க வாய்ப்பில்லாத நிலையில், விஷம் தாக்கிய தீவிர அறிகுறிகள் காணப்படுமானால், நோயாளியின் தொண்டையின் கீழ்ப்புறத்தில் விரல்களால் கூச்சஉணர்வைத் தூண்டி வாந்தி எடுக்கச் செய்யவும். பின்பு அதிகமான அளவு நீருடன் மருத்துவ மரக்கரி கொடுக்கவும். குறிப்பு: மயங்கிய நிலையில் உள்ள மனிதருக்கு வாய் வழியாக எதையும் கொடுக்கக் கூடாது.

விஷ முறிவு மருந்து : அட்ரோபைன் அத்துடன் கூடுதலாக ஆக்ஸிம் பிரிபரேஷன்கள் அதாவது மருத்துவ கண்காணிப்பின் கீழ் டாக்ஸோகோனின், 2-4 மிகி அட்ரோபைன் சல்பேட் (சிறுவர்களுக்கு வயதுக்கு ஏற்றபடி 0.5 மி.கி. முதல் 2 மி.கி வரை) ஐ.வி அல்லது ஐ.எம் ஆக ஊசி மருந்தாகக் கொடுக்கவும். ஒவ்வொரு 5 முதல் 10 நிமிடங்களுக்கு ஒரு முறை அட்ரோபினிசேஷன் முழுமையாக ஏற்படும் வரை தொடரவும் பாதிக்கப்பட்டவர் நீண்ட போதுமான நேரம் (24 முதல் 48 மணி நேரம்) அட்ரோபைன் நிலையில் இருக்க வேண்டும். அதனால், இதனைத் தொடர்ந்து விஷம்தாக்கிய பாதிப்பு ஏதும் இல்லாமல் இருக்கலாம்.

தயாரிப்போர் : ஸின்ஜென்டா இந்தியா லிமிடெட்,
அமர் பாராடிகம், எஸ்.எண் 110/11/3, பானேர் ரோடு, பூனே - 411045.

பாக்டரி: ஸின்ஜென்டா இந்தியா லிமிடெட், யுநிட் II, பிளாட் எண். 155/1, ஜிஐடிசி இஸ்டேட், அங்கிலேஷ்வர் - 393 002, மாவட்டம்-பரூச்.

ಪ್ರೊಫಿನೊಪಾಸ 40% + ಸೈಪರಮೇಥ್ರಿನ್ 4% ಇ.ಸಿ.

ಪಾಲಿಟ್ರಿನ್ ಸಿ 44 ಇ.ಸಿ.

(ಒಂದು ವಿಶಾಲ ಶ್ರೇಣಿಯ ಕೀಟನಾಶಕ)

ಪಾಲಿಟ್ರಿನ್ ಸಿ 44 ಇ.ಸಿ. ಒಂದು ವಿಶಾಲಶ್ರೇಣಿಯ ಕೀಟನಾಶಕವಾಗಿದ್ದು ಹತ್ತಿಯ ಕಾಯಿಕೊರಕ ಹುಳುಗಳ ಮೇಲೆ ಸ್ಪರ್ಷ ವಿಷ ಮತ್ತು ಹೊಟ್ಟೆ ವಿಷದಿಂದ ಪರಿಣಾಮಕಾರಿಯಾಗಿದೆ. ಇದರಲ್ಲಿ 400 ಗ್ರಾ. ಪ್ರೊಫಿನೊಫಾಸ (0-(4-ಬ್ರೊಮೊ-2-ಕ್ಲೊರೊಫಿನೈಲ್)-0-ಇಥೈಲ್ ಎಸ್-ಎನ್-ಪ್ರೊಪೈಲ್ ಫಾಸ್ಪರೊಥಯೊಟ ಮತ್ತು 40 ಗ್ರಾಂ. ಸೈಪರಮೆಥ್ರಿನ್ (ಆರ್.ಎಸ್.)-ಆಲ್ಪಾ-ಸೈಯನೊ-3- ಫಿನೊಕ್ಸಿಬೆಂನ್‌ಜೈಲ್ (1 ಆರ್.ಎಸ್.)-ಸಿಸ್‌ಟ್ರಾನ್ಸ್-3- (2,2-ಡೈಕ್ಲೊರೊವಿನೈಲ್)-2.2- ಡೈಮಿಥೈಲ್ ಸೈಕ್ಲೊಪ್ರಪೇಸ್ ಕಾರ್ಬಾಕ್ಸಿಲೇಟ್ ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್ ಇಮಲ್ಸಿಫೈಯಬಲ್ ಕಾನ್ಸನ್‌ಟ್ರೇಟ್ ಫಾರ್ಮುಲೇಶನ್ ನಲ್ಲಿ ಇರುತ್ತದೆ.

ಉಪಯೋಗಿಸುವ ಬಗ್ಗೆ ಸೂಚನೆಗಳು: ಪಾಲಿಟ್ರಿನ್ ಸಿ 44 ಇ.ಸಿ ಹತ್ತಿ ಕಾಯಿಕೊರೆಯುವ ಹುಳುಗಳ ಹತೋಟಿಗಾಗಿ ಶಿಫಾರಿಸ್ಸು ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟಿದೆ.

ಬೆಳೆ	ರೋಗದ/ಕೀಟದ ಸಾಮಾನ್ಯ ಹೆಸರು	ಪ್ರಮಾಣ/ಹೆಕ್ಟೇರಿಗೆ ಸ.ಘ.	ಪ್ರಮಾಣ/ಹೆಕ್ಟೇರಿಗೆ ಫಾರ್ಮುಲೇಶನ್ (ಮಿ.ಲೀ)	ಪ್ರಮಾಣ/ಹೆಕ್ಟೇರಿಗೆ ಉಪಯೋಗಿಸುವ ನೀರು ಲಿ.	ಕಡೆಯ ಸಿಂಪರಣೆಯ ನಂತರ ಬೆಳೆ ಕಟಾವು ಮಾಡಲು ಕಾಯಬೇಕಾದ ಅವ
ಹತ್ತಿ	ಕಾಯಿಕೊರೆಯವ ಹುಳ	440-660	1000-1500	500-1000	14 ದಿನಗಳು

ಹೊಂದಾಣಿಕೆ: ಹತ್ತಿಯ ಮೇಲೆ **ಪಾಲಿಟ್ರಿನ್ ಸಿ 44 ಇ.ಸಿ.** ಸಾಮಾನ್ಯವಾಗಿ ಉಪಯೋಗಿಸಲ್ಪಡುವ ಕೀಟನಾಶಕಗಳು. ಶಿಲೀಂದ್ರನಾಶಕಗಳು, ಹಾಗೂ ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳೊಂದಿಗೆ ಹೊಂದಿಕೊಳ್ಳುತ್ತದೆ. ಆದಾಗ್ಯು ಉಪಯೋಗಿಸುವ ಮೊದಲು ಹೊಂದಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಸ್ಥಳೀಯವಾಗಿ ಪರಿಶೀಸಿಸ ಉಪಯೋಗಿಸಲು ಶಿಫಾರಸ್ಸು ಮಾಡಲಾಗಿದೆ.

ವಿಷಬಾಧೆ: ಬಾಯಿಯ ಮೂಲಕ ಒಳಸೇರುವ ತೀಕ್ಷ್ಣ LD50 ಇಲಿಗೆ **ಪಾಲಿಟ್ರಿನ್ ಸಿ 44 ಇ.ಸಿ.** 883 ಮಿ.ಗ್ರಾಂ./ಪ್ರತಿ ಕೆಜಿ ದೇಹ ತೂಕಕ್ಕೆ. ಚರ್ಮದ ಮೂಲಕ ಒಳಸೇರುವ LD50 ಇಲಿಗಳಿಗೆ > 4000 ಮೀ.ಗ್ರಾಂ./ಪ್ರತಿ ಕೆ.ಜಿ. ದೇಹ ತೂಕ. ತೀರ ಸ್ವಲ್ಪದರಿಂದ ಸಾಧಾರಣ ಪ್ರಮಾಣದಲ್ಲಿ ಮೊಲಗಳ ಕಣ್ಣು ಹಾಗೂ ಚರ್ಮಕ್ಕೆ ಬಾಧಕವಾಗಿದೆ.

ಬಳಕೆಗಾಗಿ ಮಾರ್ಗದರ್ಶನ: ಉಪಯೋಗಮಾಡಲು ಬೇಕಾಗುವ ಉತ್ಪನ್ನವನ್ನು ಅಳತೆಮಾಡಿ ಮೊದಲು ಸ್ವಲ್ಪ ನೀರಿನೊಡನೆ ಬೆರಸಿ ಚೆನ್ನಾಗಿ ಕಲಿಸಿರಿ ನಂತರ ಉಳಿದ ನೀರನ್ನು ಚೆನ್ನಾಗಿ ಬೆರಸಿ ಕಲುಕಿರಿ ಮತ್ತು ನ್ಯಾಪಸ್ಯಾಕ ಸ್ಪ್ರೆಯರ್ ಅಥವಾ ಹೈವಾಲ್ಯುಮ್ ಸ್ಪ್ರೇಯರ್‌ನಲ್ಲಿ ಸಿಂಪರಣೆ ಕೈಗೊಳ್ಳಿರಿ.

ಸಸ್ಯ ಸಂರಕ್ಷಣೆ ಉಪಕರಣಗಳು: ನ್ಯಾಪಸ್ಯಾಕ್ ಸ್ಪ್ರೆಯರ್, ಫುಟ್ ಸ್ಪ್ರೇಯರ್, ಕಂಪ್ರೆಶನ್ ನ್ಯಾಪಸ್ಯಾಕ ಸ್ಪ್ರೇಯರ್ ಬ್ಯಟರಿ ಸ್ಪ್ರೆಯರ್ ಬ್ಯಾಟರಿ ಮತ್ತು ವಿದ್ಯುತ್ ಚಲಿತ ಸ್ಪ್ರೇಯರ್.

ಶೇಖರಣೆ/ಸಂಗ್ರಹಕ್ರಮ: 1. ಈ ಕೀಟನಾಶಕ ಪ್ಯಕೆಟ್‌ಗಳನ್ನು ಮೂಲ ಕಂಟೇನರ್‌ಗಳಲ್ಲಿ ಇನ್ನುಳಿದ ಯಾವ ವಸ್ತುಗಳನ್ನು-ಮುಖ್ಯವಾಗಿ ಆಹಾರ ಪದಾರ್ಥಗಳನ್ನು-ಇಟ್ಟು ಕೋಣೆಗಳಿಂದ ದೂರವಿರುವ ಅಥವಾ ಕಪಾಟಿನಲ್ಲಿ ಬೀಗಹಾಕಿಡಬೇಕು. 2. ಈ ಕೀಟನಾಶಕದ ದಾಸ್ತಾನುಮಾಡುವ ಕೋಣೆಗಳನ್ನು ಗಾಳಿ ಬೆಳಕಾಡುವ ಹಾಗೆಯೂ ಸಾಕಷ್ಟು ಸ್ಥಳಾವಕಾಶ ಇರುವ ಹಾಗೆಯೂ ಕಟ್ಟಿದವುಗಳಾಗಿರಬೇಕು. ಅವು ಯಾವಾಗಲೂ ಒಣವಾಗಿರಬೇಕು. ಒಟ್ಟಿನಲ್ಲಿ ಅದು ಗಾಳಿಯೊಳಗಿನ ಆವಿಯೊಡನ ಬೆರತು ದೂಷಿತಗೊಳ್ಳದಂತೆ ನೋಡಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು.

ಮುಂದುಜಾಗ್ರತೆಗಳು: ಅಡಿಗೆ ಮಾಡುವ ಪಾತ್ರೆಗಳನ್ನು ಕೀಟನಾಶಕ ಮಿಶ್ರಣಮಾಡಲು ಉಪಯೋಗಿಸಬಾರದು. ಮಿಶ್ರಣವನ್ನು ಕಲಿಸಲು ಕೋಲನ್ನು ಉಪಯೋಗಿಸಬೇಕು. ಕೈಗಳಿಗೆ ಕವಚವನ್ನು ಹಾಕಿಕೊಂಡು ಮಿಶ್ರಣ ಚರ್ಮಕ್ಕೆ ತಾಗದಂತೆ ಎಚ್ಚರವಹಿಸಬೇಕು. ಮತ್ತು ವಾಸನೆನೋಡುವ ದಾಗಲಿ ಕಣ್ಣಿನೊಡನೆ ಸ್ಪರ್ಷಕ್ಕಾಗಲಿ ಅವಕಾಶಕೊಡಬಾರದು, ಸಿಂಪರಣೆ ಕೈಗೊಳ್ಳುವಾಗ ರಕ್ಷಣಾ ಕವಚಗಳಾದ ಮುಖವಾಡ, ಕಣ್ಣಿಗೆ ಕನ್ನಡಕ, ಪೂರ್ತಿಮೈಮುಚ್ಚುವ ಬಟ್ಟೆ ಕಾಲಿಗೆ ಬೂಟುಗಳನ್ನು ಹಾಕಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು ಸಿಂಪರಣಾದ್ರಾವಣ ಮೈಮೇಲೆ ಬೀಳದಂತೆ ದ್ರಾವಣವನ್ನು ತಯಾರಿಸುವಾಗ ತಿನ್ನುವದಾಗಲಿ, ಕುಡಿಯುವದಾಗಲಿ, ದೂಮ್ರಪಾನವನ್ನಾಗಲಿ ಮಾಡಬಾರದು. ಅರ್ಧ ಉಳಿದ ಕೀಟನಾಶಕವನ್ನು ಶೇಖರಿಸಿಡಬಾರದು.

ಪ್ರತಿದಿನದ ಸಿಂಪರಣೆಯ ನಂತರ ಸ್ಪ್ರೆಯರ, ಬಕೆಟ್ ಮತ್ತು ಇತರ ವಸ್ತುಗಳನ್ನು ಚೆನ್ನಾಗಿ ತೊಳೆದಿಡಬೇಕು. ಸಿಂಪರಣೆಯ ನಂತರ ಕೈಗಳನ್ನು ಚೆನ್ನಾಗಿ ಸಾಬೂನಿನಿಂದತೊಳೆದು ಬಟ್ಟೆಬದಲಿಸಿ ದೂಷಿತ ಬಟ್ಟೆಯನ್ನು ಸಾಬೂನಿಂದ ಒಗೆಯಬೇಕು. ಸಿಂಪರಣೆ ಸಾಮುಗ್ರಿಗಳನ್ನು ತೊಳೆಯುವಾಗ ಕೆರೆ, ಭಾವಿ, ಕೊಳ್ಳ ಅಥವಾ ಇನ್ನಿತರ ಜಲ ಮಾರ್ಗಗಳನ್ನು ಕಲುಷಿತ ಗೊಳಿಸಬಾರದು.

ಜೇನುನೊಣಗಳು ಹಾರಾಡುತ್ತಿರುವಾಗ (ಚಟುವಟಿಕೆಯಿಂದ ಇರುವಾಗ) ಸಿಂಪರಣೆ ಕೈಗೊಳ್ಳಬಾರದು. ಶಿಫಾರಸ್ಸು ಮಾಡಿದ ಪ್ರಮಾಣದಲ್ಲಿ ಬಳಸಿದಾಗ ವನ್ಯಮೃಗಗಳಿಗೆ ಯಾವುದೆ ಹಾನಿಯಾಗುವದಿಲ್ಲ ವಿಷಕಾರಿತ್ವದ ಲಕ್ಷಣಗಳು ಕಂಡುಬಂದಲ್ಲಿ ಕೂಡಲೆ ವೈದ್ಯರ ಸಲಹೆ ಪಡೆಯಿರಿ.

ಕಂಟೇನರಗಳ ವಿನಿಯೋಗ: 1. ಹೆಚ್ಚಾದ ಪ್ಯಾಕೇಜ್ ಪದಾರ್ಥಗಳನ್ನು ಮತ್ತು ಯಂತ್ರೋಪಕರಣಗಳನ್ನು ತೊಳೆದ ನೀರನ್ನು ಮತ್ತು ಕಂಟೇನರಗಳನ್ನು ಸುರಕ್ಷಿತ ರೀತಿಯಲ್ಲಿ ಹೊರವಲಯ ವಾತಾವರಣ ಪ್ರದೂಷಣೆಯಾಗದಂತೆ ವಿನಿಯೋಗಿಸಿರಿ. 2. ಉಪಯೋಗಿಸಿದ ಪ್ಯಾಕೆಟ್‌ಗಳನ್ನು ಮತ್ತೆ ಉಪಯೋಗ ಮಾಡುವದನ್ನು ತಡೆಗಟ್ಟಲು ಅಲ್ಲೇ ಬಿಡಬೇಡಿದಿ. 3. ಪ್ಯಕೆಜಗಳನ್ನು (ಡಬ್ಬಿಗಳನ್ನು) ಒಡೆದು ವಾಸಸ್ಥಳವಿಲ್ಲದ ನೆಲದಲ್ಲಿ ಹೂತಿಡಬೇಕು.

ವಿಷ ತಗಲಿದ ಲಕ್ಷಣಗಳು: ಸೌಮ್ಯದಿಂದ ಮಿತವಾದ ಲಕ್ಷಣಗಳು: ತಲೆನೊವು, ನಿತ್ರಾಣ, ಬೆವರೊಡೆಯುವದು, ವಾಂತಿ, ಪುಕ್ಕಲುತನ, ನುಂಗುವದಕ್ಕೆ ಆಗದು.

ಅತಿ ವಿಷದ ಲಕ್ಷಣಗಳು: ಜಾಸ್ತಿ ಬೆವರೊಡೆಯುವದು, ಕಣ್ಣುನೊವು, ಪಿನ್‌ಪಾಯಿಂಟ್ ಪ್ಯುಪಿಲ್ಸ (ಮಯೋಸಿಸ್), ಸ್ನಾಯುಗಳ ನೋವು, ಧ್ವನಿಯತೊಂದರೆ, ಹೈಪರ್ ಸ್ಯಾಲಿವೇಶನ್, ಉಸಿರಾಟದ ತೊಂದರೆ, ಹೃದಯದರೊಂದರೆ, ಸೆಳೆತ, ಎಚ್ಚರ ತಪ್ಪುವದು.

ಪ್ರಥಮ ಚಿಕಿತ್ಸೆ: ವಿಷ ತಗುಲಿದ ಮನುಷ್ಯನನ್ನು ತಕ್ಷಣ ಸುರಕ್ಷಿತ ಸ್ಥಳಕ್ಕೆ ಅಂದರೆ ಚೆನ್ನಾಗಿ ಗಾಳಿ ಬೆಳಕಿರುವ ಕೋಣೆಗೆ ಸಾಗಿಸಿರಿ, ಜಾಸ್ತಿ ವಿಷ ತಗುಲಿದ ಲಕ್ಷಣಗಳಿದ್ದಲ್ಲಿ ತಕ್ಷಣ ವೈದ್ಯರನ್ನು ಕರೆಇರಿ. ಚರ್ಮಕ್ಕೆ ವಿಷ ತಾಕಿದಲ್ಲಿ ವಿಷ ಪೂರಿತ ಬಟ್ಟೆಗಳನ್ನು ತೆಗೆದು ದೇಹವನ್ನು ಚೆನ್ನಾಗಿ ನೀರು ಮತ್ತು ಸಾಬೂನಿನಿಂದ ತೊಳೆಇರಿ. ಕಣ್ಣುಗಳಿಗೆ ವಿಷತಗುಲಿದ್ದಲ್ಲಿ ಕಣ್ಣುಗಳನ್ನು ಸ್ವಚ್ಛವಾದ ನೀರಿನಲ್ಲಿ ಅದ್ದಿ ತೊಳೆಇರಿ. ಮತ್ತು ವೈದ್ಯರ ಸಲಹೆ ಪಡೆಇರಿ. ಹೊಟ್ಟೆಯಲ್ಲಿ ವಿಷ ಹೊಗಿದ್ದಲ್ಲಿ: ವೈದ್ಯಕ್ಯೀ ಸೌಲಭ್ಯ ಲಭ್ಯವಿಲ್ಲದಲ್ಲಿ ಬೆರಳನ್ನು ನಾಲಿಗೆಯ ಹಿಂಬಾಗದಲ್ಲಿ ಉಜ್ಜಿ ರೋಗಿಗೆ ವಾಂತಿ ಮಾಡಿಸಿರಿ. ಮತ್ತು ಮೇಲಿಂದ ಮೇಲೆ ವೈದ್ಯಕೀಯ ಇದ್ದಲ್ಲನ್ನು (ಮೆಡಿಸಿನಲ್ ಚಾರಕೋಲನ್ನು) ಜಾಸ್ತಿ ನೀರಿನ ಜೊತೆ ರೋಗಿಗೆ ಕುಡಿಸಿರಿ. ಆದರೆ ರೋಗಿಯು ಪ್ರಜ್ಞಾಹೀನ ಸ್ಥಿಥಿಯಲ್ಲಿ ಇದ್ದರೆ ಬಾಯಿಯ ಮೂಲಕ ಏನನ್ನು ಕೊಡಬೇಡಿರಿ.

ಪ್ರತ್ಯೌಷಧ: ಎಟ್ರೊಪಿನ್ ಇದಲ್ಲದೆ ಆಕ್ಸಿಮ್ ತಯಾರಿಕೆಗಳಾದ ಟಾಕ್ಸೊಗೊನಿನ್‌ಗಳನ್ನು ವೈದ್ಯಕೀಯ ಮೇಲ್ವಿಚಾರಣೆಯಲ್ಲಿ ಕೊಡಬೇಕು. ಇಂಜಕ್ಷನ್ 2 ರಿಂದ 4 ಮಿ.ಗ್ರಾಂ. ಎಟ್ರೊಪಿನ್ ಸಲೇಟ್ (ಮಕ್ಕಳಿಗೆ 0.5 ರಿಂದ 2 ಮಿ.ಗ್ರಾಂ. ವಯಸ್ಸಿನ ಪ್ರಕಾರ) ಅಭಿದಮನಿಯ ಮೂಲಕ ಅಥವಾ ಸ್ನಾಯು ಮೂಲಕ ಪ್ರತಿ 5-10 ನಿಮಿಷಗಳಿಗೊಮ್ಮೆ ಎಟ್ರೊಪಿನ್ ಪ್ರಭಾವ ತೋರಿಬರುವ ತನಕ ಕೊಡತ್ತಾ ಬರಬೇಕು. ರೋಗಿಯು ಸಾಕಷ್ಟು ಸಮಯ (24 ರಿಂದ 48 ಗಂಟೆಗಳು) ಎಟ್ರೊಪಿನ್ ಪ್ರಭಾವದಲ್ಲಿ ಇರುವದು ವಿಳಂಬಿತ ಮರುಹೀರುವಿಕೆಯ ಮೂಲಕ ವಿಷ ಪ್ರಭಾವಕ್ಕೆ ಅತ ಪುನಃ ಒಳಗಾಗುವದನ್ನು ತಪ್ಪಿಸಲು ಅವಕಾಶವಿದೆ.

ಉತ್ಪಾದಕರು : ಸಿಂಜೆಂಟಾ ಇಂಡಿಯಾ ಲಿಮಿಟೆಡ್,
ಅಮರ್ ಪರಡಿಗ್ಮ್, ಎಸ್. ನಂ. 110/11/3, ಬಾನೆರ್ ರೋಡ್, ಪುಣೇ-411 045.

ಫ್ಯಾಕ್ಟರಿ : ಸಿಂಜೆಂಟಾ ಇಂಡಿಯಾ ಲಿಮಿಟೆಡ್, ಯುನಿಟ್ II, ಪ್ಲಾಟ್ ನಂ. ಬಿ-155/1, ಜಿಐಡಿಸಿ ಎಸ್ಟೇಟ್, ಅಂಕಲೇಶ್ವರ್ - 393 002, ಜಿಲ್ಲಾ ಭರೂಚ್.

PROFENOFOS 40% + CYPERMETHRIN 4% EC

(A Broad Spectrum Insecticide)

Polytrin®C 44EC

READ INSTRUCTION LEAFLET BEFORE USE

STORE IN A COOL, DRY AND WELL VENTILATED PLACE

syngenta®

Manufactured by :
Syngenta India Ltd.,
Amar Paradigm, S. No.110/11/3,
Baner Road, Pune – 411 045.

Factory :
Syngenta India Ltd.,
Unit II, Plot No. B-155/1, GIDC Estate,
Ankleshwar - 393 002, District Bharuch.

For any complaints, please contact our Customer Service Executive.
Syngenta India Limited,
Amar Paradigm, S.No. 110/11/3, Baner Road, Pune 411045, Maharashtra, India
Telephone No.: 020 30699533, Toll Free : 1800 2001 310, Email:customercare.india@syngenta.com

Product names marked ® or ™, the **SYNGENTA** Logo and the Alliance Frame are Trademarks of a Syngenta Group Company.